the Chartered Accountants Regulations, 1964, under section 30B of the Chartered Accountants Act, 1949.

[Placed in Library. *See* No. LT-4626/87].

Report and Accounts (1985-86) of the Bengal Chemicals and Pharmaceuticals Limited Calcutta and related papers

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF CHEMICALS AND PETRO-CHEMICALS IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI R. K. JAICHANDRA SINGH): Madam, I beg to lay on the Table, under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956, a copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

(i) Fifth Annual Report and Accounts of the Bengal Chemicals and Pharmaceuticals Limited, Calcutta, for the year 1985-86, together with the Auditors' Report on the Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General of India thereon.

(ii) Review by Government on the working of the Company.

[Placed in Library. *See* No. LT-4628/87 for (i) and (ii)].

Re. Treatment meted out to the Members of Parliament at the Delhi Airport

डा० बापू कालदाते (महाराष्ट्र) : महोदया, एक 'दुखद' घटना के बारे में मैं आपकी अनुमति से सदन का दो मिनट का समय लेना चाहता हूं । महोदया हमारे जो श्रद्धेय जन हैं, उनमें सरहदी गांधी जी भी हैं । उस समय जबकि हम छोटे लड़के थे सेवादल के तब पूना में वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई, 1945–46 में । तब हम उसके स्वयंसेवक थे । उस समय श्री सरहदी गांधी और जवाहर लाल नेहरु सेवादल की रेली में आए और उन्होंने हम नौजवानों को यह आदेश दिया कि इस काम को बाहर फैलाने के लिए आप महाराष्ट्र से बाहर जाइए । मैं उनमें से एक व्यक्ति हूं जिन्हें सिंध में काम करने का सौभाग्य मिला और विभाजन के बाद मुझे वापस आना पड़ा । ऐसे श्रद्धा जन जिनके बारे में हमारे दिल में एक असीम श्रद्धा तो है ही वे हमारी प्रेरणा के स्रोत भी हैं । उपसभापति महोदया, हमारे जो एअरपोर्ट्स हैं जहां से हमारे वी०आई०पी० आते जाते हैं, मैं तो वहां आज तक गया नहीं लेकिन व्यक्तिगत श्रद्धा के कारण कल गया था । जिस तरह का बर्ताव आपके सुरक्षा अधिकारी हम मेम्बर आफ पार्लियामेंट के साथ करते हैं उससे मुझे शर्म आती है । क्या इस देश में पार्लियामेंट का मेंबर कोई गुनाहगार बन गया है ? वहां सिर्फ दो-तीन सौ लोग थे जिनमें आपके मंत्रीजी थे, प्रधान मंत्री जी थे और हम जैसे लोग थे जिनके दिल में केवल श्रद्धा के कण थे । मैं इस बात को जानता था कि हमारे लिए उनकी अंतिम विदाई है । मैं अस्पताल में नहीं जा पाया, इसलिए हमने सोचा कि एक बार उन्हें देख लें । लेकिन इतना बर्बरतापूर्ण, इतना अपमानजनक इतना ह्यूमिलेटिंग बिहेवियर वहां के सुरक्षा अधिकारी ने किया कि मेरा तो पक्का फैसला है कि सरकार के किसी कार्यक्रम में हम उपस्थित नहीं रहेंगे । मैं वहां गया मैंने कहा मैं पार्लियामेंट मेंबर हूं । ऐसे देख रहे थे जैसे किसी गुनहगार को देखते हैं। He looked at me from top to bottom. It was so humiliating. Is it the way? Is it the kind of behaviour we should have from the security personnel? हमको नहीं जाने दिया । हमारा आई कार्ड लेकर वह दूसरे के पास गया । उसने हमसे पूछा कि हमारा नाम क्या है । हमने कहा कि इस पर लिखा हुआ है । अंदर लांज में और एडिशनल कार्ड दे दिया, हमने मांगा नहीं था । जो मिनिस्टर लोग थे वे चले गए । हम पांच पार्लियामेंट के मेंबर थे, इस हाउस के भी थे लेकिन हमको नहीं जाने दिया । हमारी स्थिति ऐसी थी जैसे भिखारी सुरक्षा अधिकारियों के सामने जाए, उनसे भीख

मांगे कि हमको अंदर जाने दिया जाए । मैंने यह फैसला किया है कि जब तक हम लोगों के सम्मान की रक्षा की पूरी व्यवस्था नहीं करेंगे, मैं समझता हूं कि कोई भी सम्मानित सदस्य ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने नहीं जाएंगे । मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से विशेष तौर पर इस बात की मांग करूंगा कि जब तक यह व्यवस्था नहीं होगी तब तक मेरे जैसे सम्मानित सदस्य किसी भी समारोह में भाग नहीं लेंगे । ... (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (मध्य प्रदेश) : *महोदया, यह गंभीर मामला* है । आप गृह मंत्री जी को निर्देश दें कि वे सारे तथ्य सदन के सामने रखें । ... (व्यवधान)

उपसभापति : मुझे माननीय सदस्य पहले मिलें, उन्होंने यह भावनाएं मेरे पास रखीं, इसीलिए मैंने उनको बुलाया । यह आपकी बात सही है कि इस भावना का सम्मान होना चाहिए, आदर होना चाहिए। मैं पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर से कहूंगी कि गवर्नमेंट के पास यह बात पहुंचा दें ।

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) : गृह राज्य मंत्री जी यहां पर मौजूद हैं । वे बोलें कि वे क्या कहना चाहते हैं । उन्होंने इनका भाषण सुना है, इनका क्रंदन सुना है...

श्री सत्यपाल मलिक (उत्तर प्रदेश) : गांधी जी ने क्या कहा था, वह भी याद रखना चाहिए ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : ये क्यों नहीं कहते कि हम पता लगाएंगे ? ... (व्यवधान)

PROF. U. LAKSHMANNA (Andhra Pradesh): Members of Parliament are not even allowed to go to the airport. We have to go around and seek special permission.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Don't take thinks too far. The Minister is here.

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY (Assam): I have also to raise a point.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Feeling is the same; I also appreciate.

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: The Home Minister of Assam had also to face similar treatment from the security personnel. I want the Home Minister to make a statement on that point also.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES, AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): Madam, I was not there yesterday. Therefore, I have no personal knowledge of what happened. I have heard the hon. Members and I am sure there would not have been a cause for concern unless something had happened. I will certainly look into it and come back and report to you the facts. Because I was not there personally, I am not in a position to say anything. I am sorry for it. But without even going into it, I accept broadly what has been said. I am sorry if any inconvenience had been caused.

Motion for election to the Indian council of agricultural research society

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI G. S. DHILLON): I beg to move the following Motion:

"That in pursuance of sub-rule (vii) of rule 4 read with rule 9 of the Rules of the Indian Council of Agricultural Research Society, this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may